राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2007

10 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारी

2007. श्री अम्बेथ राजन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) के पांच एकीकृत इस्पात संयंत्रों में कार्यरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) तीन विशिष्ट इस्पात संयंत्रों के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) पिछले पांच वर्षों में उक्त कर्मचारियों को दिए गए प्रशिक्षण का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख): सेल के एकीकृत इस्पात संयंत्रों और विशेष इस्पात संयंत्रों में एससी/एसटी कर्मचारियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

एकीकृत इस्पात संयंत्र			विशेष इस्पात संयंत्र		
संयंत्रों के नाम	एससी कर्मचारी	एसटी कर्मचारी	संयंत्रों के नाम	एससी कर्मचारी	एसटी कर्मचारी
भिलाई इस्पात संयंत्र	4263	3938	एलॉय इस्पात संयंत्र	254	73
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	2188	572	सेलम इस्पात संयंत्र	291	22
राउरकेला इस्पात संयंत्र	2915	4544	विश्वैश्वरैया लोहा एवं इस्पात संयंत्र	116	21
बोकारो इस्पात संयंत्र	2357	2276			
इस्को इस्पात संयंत्र	1359	251			

(ग): सेल एससी/एसटी श्रेणी समेत सभी कर्मचारियों को उनकी कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है। तकनीकी कौशल वृद्धि हेतु दिए जाने वाले प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्रों में इंजीनियरी कौशल को बढ़ाने का प्रशिक्षण, कौशल की खास कमी को पूरा करना, बहु-कौशल प्रशिक्षण और आधुनिकीकरण/विस्तार कार्य के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है। विभिन्न प्रौद्योगिकी-प्रबंधकीय और एचआर मामलों पर निष्पादन सुधार कार्यशालाएं (पीआईडब्ल्यू) और एक-दूसरे से सीखना (एलईओ) कार्यक्रम चलाए जाते हैं। एससी/एसटी कर्मचारियों को आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रबंध विकास कार्यक्रमों यथा पर्यवेक्षणीय विकास कार्यक्रम, एमडीपी । एवं ।।, प्रबंधकीय कुशलता वृद्धि, परियोजना प्रबंधन इत्यादि में भी जानकारी दी जाती है। विशेष क्षेत्रों यथा गुणवत्ता : आईएसओ 9001 : 2000 क्यूएमएस, कार्मिक एवं उपस्कर सुरक्षा, व्यवसायगत स्वास्थ्य एवं सुरक्षा – ओएचएसएएस 18001, पर्यावरण – आईएसओ 14001 : ईएमएस, लागत नियंत्रण एवं लागत कटौती कार्यक्रम और ऊर्जा संरक्षण इत्यादि में भी नियमित रूप से प्रशिक्षण दिए जाते हैं।

***